स्मरणीय है कि बक्सर के पास यदि गंगा की धारा बदल गई, तो बिहार और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाला गंगा का पुल भी बेकार हो जायेगा ।

इसी प्रकार पटना जिला स्थित मनेर प्रखण्ड के जीवरासन टोला का आधा से अधिक हिस्सा विलीन हो गया, लेकिन संसद् में इस पर चर्चा के बाद भी वहा के लोगों को बसने की जमीन नही दी गई है । ग्रामीण इधर-उधर मारे मारे फिर रहे हैं ।

अत: सरकार से आग्रह है कि वह भोजपुर जिला और रेलवे लाइन को बचाने के लिए तुरन्त उचित कार्यवाही करे तथा पटना जिला स्थित जीवरासन टोला के कटाव पीडितो के लिए जमीन की शीघ्र व्यवस्था करे ।

(iv) DEMAND FOR ADEQUATE SUPPLY OF GROUNDNUT SEED TO GROUNDNUT RESEARCH INSTITUTE AT SITAPUR, UTTAR PRADESH.

श्री राम लाल राही : (मिसरिख) उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर भारत के उ० प्र० में जनपद सीतापुर तथा उसके सीमावर्ती जनपदो जैसे हरदोई, शाहजहापुर, लखीमपुर आदि उत्तम मूगफली उत्पादक क्षेत्र होने के कारण सीतापुर जनपद व्यावसायिक दृष्टि से तिलहन के क्षेत्र में उत्तर भारत की प्रमुख मण्डी कई दशको में बन गया था । यही नही, केवल जनपद सीतापुर मे नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रा मे करीब डेढ सौ छोटे बडे उद्योग मूगफली तिलहन पर आधारित है ।

इधर करीब 4–5 वर्षों से मूगफली की क्वालिटी और क्वाटिटी मे निरन्तर गिरावट आने के कारण इन जनपदो का मूगफली उत्पादन क्षेत्र भुखमरी का शिकार होता जा रहा है । यही नही, मूगफली पर आधारित उद्योग चौपट हो गया है । लगभग 90 प्रतिशत कारखाने बन्द व वीरान पड़े है । किसानो के सामने बीज का निरन्तर सकट बना हुआ है । 15 से 20 रुपया किलो तक नकद बीज तलाश करने पर भी बाजारों मे नहीं मिला । केवल जनपद सीतापुर के 40 हजार एकड़ क्षेत्र के लिए केवल 120 क्विटल बीज की व्यवस्था सरकार ने की, वह भी नकद दाम बेकर । परिणाम यह हुआ कि नाममात्र को भी बीज नहीं उठा । परिस्थिति यह है कि जनपद सीतापुर सहित अनेक पड़ोसी जिलो मे हजारों एकड़ मूगफली उत्पादक क्षेत्र वीरान व बंजर पड़ा है ।

सरकार की उपेक्षापूर्ण किसान विरोधी नीति के कारण ही इस मूगफली उत्पादक क्षेत्र के कपसा कला गाव मे गत वर्ष 7 लोगों की भूख से मौत हो गई थी । भविष्य मे भी भुखमरी से इन क्षेत्रो मे लोगो के मरने की कुसम्भावनाये पैदा हो गई है ।

सरकार तिलहन उत्पादन के अभाव मे प्रति वर्ष करोड़ो की मुद्रा खाद्य तेलो के आयात मे लगा रही है । परन्तु यदि मूगफली (तिलहन) उत्पादन की तरफ सरकार का विशेष ध्यान जाये और मूगफली उत्पादन क्षेत्र, खासकर उत्तर भारत की प्रमुख मण्डी सीतापुर मे शोध सस्थान बनाया जाये, बीज वितरण की सही व्यवस्था की जाये तो खाद्य तेलो मे आत्म-निर्भर होने के साथ ही विदेशी मुद्रा के अपव्यय पर भी नियन्त्रण हो सकता है ।

मै इस लोक महत्त्व के प्रश्न को उठाते हुए विनम्रतापूर्वक निवेदन करना चाहता हू कि सरकार इस सबध मे व्यवस्था करे और एक वक्तव्य दे ।

(v) DISCOVERY AND COLLECTION OF GOLD PARTICLES IN RAIGARH DISTRICT OF MADHYA PRADESH FOR SOME BUSINESSMEN.

SHRI B R. NAHATA (Mandsaur): Mr. Deputy Speaker, Sir, under Rule